

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

## हिन्दी (ऐच्छिक)

## HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

Time allowed : 3 hours

अधिकतम अंक : 100

Maximum Marks : 100

### खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सु-चारित्र्य के दो सशक्त स्तम्भ हैं — प्रथम सुसंस्कार और द्वितीय सत्संगति। सुसंस्कार भी पूर्व जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है। जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श मात्र से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है, ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है। सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कार्यों में प्रेरित करते हैं। परिणामतः सुचरित्र का निर्माण होता है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है — “महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था मानो भीतर का देवता जाग गया हो।”

वस्तुतः चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है । चरित्रवान् व्यक्ति समाज की शोभा है, शक्ति है । सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं, समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है । विदुरजी की उक्ति अक्षरशः सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही वंश-परम्परा से प्राप्त हो सकते हैं पर चरित्र-निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है । आनुवंशिक परम्परा, परिवेश, और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं पर उसका अर्जन नहीं कर सकते; वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता ।

व्यक्ति-विशेष के शिथिल चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र-संकट उपस्थित हो जाता है क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है । अनेक व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार, अनेक परिवारों से एक कुल, अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज-समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र बनता है । आज जब लोग राष्ट्रीय चरित्र-निर्माण की बात करते हैं, तब वे स्वयं उस राष्ट्र के एक आचरक घटक हैं — इस बात को विस्मृत कर देते हैं ।

- |     |  |   |
|-----|--|---|
| (क) | सत्संगति कुमार्गी को कैसे सुधारती है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।              | 2 |
| (ख) | चरित्र के बारे में विदुर के क्या विचार हैं ?                               | 2 |
| (ग) | व्यक्ति-विशेष का चरित्र समूचे राष्ट्र को कैसे प्रभावित करता है ?           | 2 |
| (घ) | व्यक्ति के चरित्र-निर्माण में किस-किस का योगदान होता है ?                  | 2 |
| (ङ) | संगति के संदर्भ में पारस के उल्लेख से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है ? | 2 |
| (च) | व्यक्ति सुसंस्कृत कैसे बनता है ? स्पष्ट कीजिए ।                            | 1 |
| (छ) | आचरण उच्च बनाने के लिए व्यक्ति को क्या प्रयास करना चाहिए ?                 | 1 |
| (ज) | प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।                          | 1 |
| (झ) | 'सु' और 'कु' उपसर्गों से एक-एक शब्द बनाइए ।                                | 1 |
| (ञ) | 'चरित्रवान्' और 'परिवेश' शब्दों का निर्माण कैसे हुआ है ?                   | 1 |

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,  
 सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए ।  
 पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,  
 निज पूर्व गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए ॥

आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,  
साधक बनें सब प्रेम से सुख शांतिमय उद्देश्य के ।  
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता, अहो,  
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो ॥

प्राचीन हो कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,  
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी ।  
प्राचीन बातें ही भली हैं — यह विचार अलीक है,  
जैसी अवस्था हो जहाँ, वैसी व्यवस्था ठीक है ॥

मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा,  
हे सब स्वदेशी बंधु, उनके दुःखभागी हो सदा ।  
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,  
निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो ॥

- (क) हमें अपने अतीत के गौरव को बनाए रखने के लिए क्या करना होगा ?  
(ख) कवि को यह विश्वास क्यों है कि साम्प्रदायिकता हमारी एकता को भंग नहीं कर सकती ?  
(ग) रूढ़ियों को त्यागने की बात कवि ने क्यों कही है ?  
(घ) 'मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा' — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।  
(ङ) प्रस्तुत काव्यांश का मुख्य भाव क्या है ?

#### अथवा

जिसकी भुजाओं की शिराएँ फड़की ही नहीं,  
जिनके लहू में नहीं वेग है अनल का;  
शिव का पदोदक ही पेय जिनका है रहा,  
चक्खा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का;  
जिनके हृदय में कभी आग सुलगी ही नहीं,  
ठेस लगते ही अहंकार नहीं छलका;  
जिनको सहारा नहीं — भुज के प्रताप का है,  
बैठते भरोसा किये वे ही आत्मबल का ।  
उसकी सहिष्णुता, क्षमा का है महत्त्व ही क्या,  
करना ही आता नहीं जिसको प्रहार है ?

करुणा, क्षमा को छोड़ और क्या उपाय उसे,  
ले न सकता जो वैरियों से प्रतिकार है ?  
सहता प्रहार कोई विवश कदर्य जीव  
जिसकी नसों में नहीं पौरुष की धार है;  
करुणा, क्षमा हैं क्लीव जाति के कलंक घोर,  
क्षमता क्षमा की शूरवीरों का सिंगार है ।

- (क) किसकी सहनशीलता और क्षमा को महत्वहीन माना गया है और क्यों ?  
(ख) लहू में अनल का वेग होने से क्या तात्पर्य है ?  
(ग) कवि के अनुसार आत्मबल का भरोसा किन्हें रहता है ?  
(घ) शूरवीरों का शृंगार किसे माना गया है और क्यों ?  
(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

शिव का पदोदक ही पेय जिनका है रहा  
चक्खा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का

### खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए :

- (क) धूम्रपान-निषेध : मेरी नज़र में  
(ख) टी-20 क्रिकेट का रोमांच  
(ग) आतंकवाद : भारत की प्रगति में बाधक

4. किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर युवा-वर्ग में बढ़ती हुई अपराध-वृत्ति की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए इसके समाधान के लिए कुछ सुझाव दीजिए ।

### अथवा

मेरठ स्थित 'लोकायन' संस्था को ग्रीष्मावकाश में घर-घर जाकर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के बारे में एक सर्वेक्षण करना है । इसके लिए कुछ नवयुवकों की आवश्यकता है । संस्था के सचिव को अपनी योग्यता और रुचियों का विवरण देते हुए आवेदन-पत्र लिखिए ।

5. रेडियो और टेलीविजन समाचारों की भाषा-शैली की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।

### अथवा

'पत्रकारीय लेखन' से आप क्या समझते हैं ? पत्रकारीय लेखन और साहित्यिक लेखन में क्या अंतर है ?



6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्यों में दीजिए :

1×5

- (क) पत्रकार-जगत् में 'बीट' से क्या अभिप्राय है ?
- (ख) भारत में पहला छापाखाना कहाँ और कब खोला गया ?
- (ग) वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किस साइट को दिया जाता है ?
- (घ) समाचार-लेखन में किन छः प्रकारों को ध्यान में रखा जाता है ?
- (ङ) मुद्रित माध्यमों की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

### खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8

राधौ ! एक बार फिर आवौ ।  
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ॥  
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज बार-बार चुचुकारे ।  
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाड़िले ! ते अब निपट बिसारे ॥  
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।  
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे ॥  
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो ।  
'तुलसी' मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो ॥

### अथवा

मुझ भाग्यहीन की तू संवल  
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,  
दुख ही जीवन की कथा रही  
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !  
हो इसी कर्म पर वज्रपात  
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ  
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल  
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !  
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण  
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए :

3+3

- (क) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि उसे कवि ने स्नेह भरा और मदमाता क्यों कहा है ।
- (ख) 'वसंत आया' कविता में वसंत के आने के बारे में कवि की कल्पना और जानकारी क्या थी ?
- (ग) "जनम अवधि हम रूप निहारत नयन न तिरपित भेल" के माध्यम से विद्यापति विरहिणी नायिका की किस मनोदशा को व्यक्त करना चाहते हैं ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

3+3

- (क) अरुण यह मधुमय देश हमारा ।  
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।  
सरस तामरस-गर्भ विभा पर — नाच रही तरु-शिखा मनोहर  
छिटका जीवन हरियाली पर — मंगल कुंकुम सारा !  
लघु सुरधनु से पंख पसारे — शीतल मलय समीर सहारे  
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए — समझ नीड़ निज प्यारा ।
- (ख) किसी अलक्षित सूर्य को  
देता हुआ अर्घ्य  
शताब्दियों से इसी तरह  
गंगा के जल में  
अपनी एक टाँग पर खड़ा है यह शहर  
अपनी दूसरी टाँग से  
बिलकुल बेखबर !
- (ग) सियरि अग्नि बिरहिनि जिय जारा । सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ।  
यह दुख दगध न जानै कंतू । जोबन जरम करै भसमंतू ॥  
पिय सौं कहेहु सँदेसरा ऐ भँवरा ऐ काग ।  
सो धनि बिरहे जरि गई तेहिक धुआँ हम लाग ॥

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

6

पुर्जे खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है। लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ीसाज का इम्तहान पास कर आया है, उसे तो देखने दो।

**अथवा**

राजा जनक की तरह संसार में रहकर, सम्पूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की ही भाँति वह घोषणा करता है — “मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरों के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।”

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

4+4

- (क) “कच्चा चिट्ठा” आत्मकथा के आधार पर बताइए कि पसोबा की प्रसिद्धि का क्या कारण था और लेखक वहाँ क्यों जाना चाहता था।
- (ख) ‘गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात’ के आधार पर अराफ़ात के अतिथि-प्रेम से सम्बन्धित दो घटनाओं का वर्णन कीजिए।
- (ग) ‘प्रेमघन की छाया स्मृति’ निबन्ध में लेखक ने चौधरी साहब के व्यक्तित्व के किन-किन पहलुओं को उजागर किया है ?

12. केशवदास अथवा घनानंद की जीवनी व रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6

**अथवा**

फणीश्वर नाथ ‘रेणु’ अथवा निर्मल वर्मा के जीवन व रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

3+3+3

- (क) ‘सूरदास की झोंपड़ी’ कहानी में सूरदास अपनी आर्थिक हानि जगधर को क्यों नहीं बताना चाहता था ?
- (ख) ‘आरोहण’ कहानी के आधार पर ‘पहाड़ की चढ़ाई में भूप दादा का कोई जवाब नहीं।’ — इस कथन के संदर्भ में भूपसिंह के व्यक्तित्व पर टिप्पणी लिखिए।
- (ग) ‘बिस्कोहर की माटी’ कहानी में ऐसी किस स्मृति का उल्लेख किया गया है जिसके साथ लेखक को मृत्यु का बोध अजीब तौर से जुड़ा मिलता है ?
- (घ) “चूल्हा ठंडा किया होता, तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठंडा होता ?” इस कथन के आधार पर सूरदास की मनःस्थिति पर प्रकाश डालिए।

14. 'अपना मालवा' पाठ में लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि 'हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह खाऊ-उजाड़ू सभ्यता है और वह हमारा विनाश कर रही है।' आपके विचार से उस विनाश से कैसे बचा जा सकता है ?

6

### अथवा

'आरोहण' कहानी के आधार पर 'पहाड़ों में जीवन-संघर्ष' विषय पर एक लघु लेख लिखिए ।